

बहुत दर्द दिल में <sup>sssss</sup> नगम लड़पके गाय <sup>sssss</sup>  
या-हों में इनकी <sup>sssss</sup> आंसू जो आयें <sup>sssss</sup>

(१) ये दुनियां बनी है <sup>sssss</sup> खुद में दीवानी <sup>sssss</sup>  
रहे यहाँ लगे <sup>sssss</sup> बड़ी अंजानी <sup>sssss</sup>  
अपनों से मिलकर <sup>sssss</sup> बहुत चोट खाये <sup>sssss</sup> बहुत चोट <sup>sssss</sup> ...॥२॥  
यादों में - - - - - बहुत दर्द - - - - -

(२) दिखती है सपनों में <sup>sssss</sup> इनको तो दीवानी <sup>sssss</sup>  
ये दीवानी मिली है <sup>sssss</sup> किसकी बदीलत <sup>sssss</sup>  
दीवानी के बादल <sup>sssss</sup> इन पर हैं छाये <sup>sssss</sup> इन पर <sup>sssss</sup> ...॥२॥  
यादों में - - - - - बहुत दर्द - - - - -

(३) अपना बनाके <sup>sssss</sup> घात ऐसी करते <sup>sssss</sup>  
कितने यहाँ पर <sup>sssss</sup> रोज हैं मरते <sup>sssss</sup>  
इन पर पड़े हैं <sup>sssss</sup> मौत के साथे <sup>sssss</sup> मौत के <sup>sssss</sup> ...॥२॥  
यादों में - - - - - बहुत दर्द - - - - -

(४) कहने को अपने <sup>sssss</sup> पर हैं पशायें <sup>sssss</sup>  
आपस में कितनों ने <sup>sssss</sup> कितनों को सताये <sup>sssss</sup>  
इनके कारनामे <sup>sssss</sup> रोज रंग लाये <sup>sssss</sup> रोज रंग <sup>sssss</sup> ...॥२॥  
यादों में - - - - - बहुत दर्द - - - - -



(२)

बैठे हैं सीने में <sup>ssss</sup> दर्द को धुपके <sup>ssss</sup>  
हमदम समझ के स्वा <sup>ssss</sup> अपना बनाके <sup>ssss</sup>  
जहाँ जाऊंगा मैं <sup>ssss</sup> वहीं साथ जाये <sup>ssss</sup> वहीं साथ --- ॥२॥  
यादों में ----- बहुत दर्द -----

(६)

"श्री बाबा श्री" अब <sup>ssss</sup> इतना ही कहते <sup>ssss</sup>  
अपने दिल के जरूरी को <sup>ssss</sup> हँसके हँसते <sup>ssss</sup>  
नये गहरे जरूरी को <sup>ssss</sup> अपनी से पाये <sup>ssss</sup> अपनी से --- ॥२॥  
बहुत दर्द दिल में <sup>ssss</sup> नगमे लड़पके जाये <sup>ssss</sup>  
यादों में इनकी <sup>ssss</sup> आँसू जो आये <sup>ssss</sup>